



बिंदु जोड़कर चित्र पूरा करो।



शाबाश! अब चित्र में  
कोई रंग भरो।





## 8. चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे,  
छत के नीचे,  
पाँव पसारे,  
पूँछ सँवारे।

देखो कोई,  
मौसी सोई,  
नासों में से,  
साँसों में से।

घर घर घर घर हो रही है  
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

बिल्ली सोई,  
खुली रसोई,  
भरे पतीले,  
चने रसीले।





उलटो मटका,  
देकर झटका,  
जो कुछ पाओ,  
चट कर जाओ।

आज हमारा दूध दही है,  
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

मूँछ मरोड़ो,  
पूँछ सिकोड़ो,  
नीचे उतरो,  
चीजें कुतरो।

आज हमारा,  
राज हमारा,  
करो तबाही,  
जो मनचाही।

आज मची है,  
चूहा शाही,  
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,  
चूहो! म्याऊँ सो रही है।



पढ़ो



घर के पीछे,  
छत के नीचे



भरे पतीले,  
चने रसीले



मूँछ मरोड़ो,  
पूँछ सिकोड़ो



पाँव पसारे,  
पूँछ सँवारे



उलटा मटका,  
देकर झटका



नीचे उतरो,  
चीजें कुतरो

चलो, चूहा बनाएँ

तीन लिखो

3

मूँछ कान बनाओ

3

आँखें और  
पैर बनाओ



पूँछ बनाओ



अहा!  
चूहा







द

उ

तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ



यह चित्र बिहार की मधुबनी शैली में बना है। इस चित्र की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।